बाढ़ के पानी के दिशा परिवर्तन द्वारा कटिहार में किसानों का जीवन अधिक सुखमय बना

कटिहार जिले में करी कोसी तटबंध के निकट बाढ़ का पानी धीरे-धीरे तटबंध मे तले को काट रहा है जिस कारण नदी ने यू आकार ले लिया है जो मनुष्यों, सामग्रियों और पशुओं के लिए एक जोखिम बन गया है। काटगोला के बाढ़ नियंत्रण विभाग ने ऐसी योजनाओं का कार्यान्वयन किया हे जिससे जिले में भूमि का कटाव रूका है । कटिहार जिला परिषद द्वारा चुने जाने पर उन्होनें बाढ़ के इस मुद्दे की ओर ध्यान देने के लिए एक योजना बनाई जिसके लिए अप्रैल 2010 में प्रशासनिक मंजूरी मांगी गई । बाढ़ के पानी को रोकने के लिए एक पायलट चैनल एवं एक क्लोज़र के निर्माण का निर्णय लिया गया । प्रशासनिक और लाइन विभागों के बीच परस्पर सहयोग और समन्वय के जरिये यह परियोजना जुलाई, 2010 में पूरी कर ली गई । योजनाओं के कार्यान्वयन में 1.81 करोड़ रूपए की राशि खर्च की गई ।

परियोजना के सफलतापूर्वक पूरा हो जाने से इस इलाके में रहने वाले लोगों का जीवन बहुत सुखमय बन गया । गड़ी घाट के लिकट भरी आबादी वाले गांव, दो कोल्ड स्टोरेज यूनिक, कटिहार – मनिहारी रेल लाइन, कटिहार – मनिहारी लोक निर्माण विभाग मार्ग तथा कटिहार कस्बा प्रभावित होने से बचा रहा । किसानों के उत्पादक खेतों को पहले बाढ़ के पानी में डुब जाने का खतरा बना रहता था । अंततः बाढ़ के पानी की दिशा बदलने के लिए बनाए गए नये पायलट चैनल के बाद बाढ़ के पानी से होने वाली विनाशकारी क्षति से खेतों को बचाने के लिए एक स्थायी समाधान ढूंढ लिया गया ।

यह परियोजना विभिन्न संगठनों एवं लोगों के समर्पित प्रयास का परिचायक था । विशेष तौर पर इसका श्रेय बाढ़ नियंत्रण प्रभाग के इंजीनियर एवं मजदूर, मनरेगा के कार्यक्रम पदाधिकारी, पंचायत रोज़गार सेवक, मेट, इशरत पानी की अध्यक्षता में पंचायती राज संस्थाओं के सदस्य एवं स्थानीय मजदूरों का संगठन- जनजागरण शक्ति संगठन को जाता है। इस कार्यकलाप का सतत पर्यवेक्षण जिला पदाधिकारी एवं उप विकास आयुक्त द्वारा किया गया एवं योजना की प्रशासनिक स्वीकृति, सुचारू कार्यान्वयन एवं योजना के लिए निधि की उपलब्धता को भी सुनिश्चित किया गया ।

2010-11 तक 9 परियोजनाएं पूरी कर ली गई थी । 1727 से अधिक संख्या में अकुशल मजदूरों को 75 दिनों तक निर्माण कार्य पर लगाया गया, तथा कुल 1,29,525 मानव दिवस का सृजन किया गया एवं 1,34,70,600 राशि का भुगतान किया गया । जिस रिकार्ड समय में परियोजना पूरी की गई और जिस असुविधा और खर्च से लोगों को राहत मिली, उसके लिए अनेक क्षेत्रों से सराहना प्राप्त हुई । केन्द्रीय सरकार के प्रतिनिधि एस.एन आर्या, अफ़जल अमानुल्ला, प्रधान सचिव, जल संससाधन विभाग, संतोष मैथ्यू, प्रधान सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, अश्विन दत्तात्रेय, कटिहार के जिला पदाधिकारी इस बात से सहमत हुए कि प्रशासनिक और लाइन विभाग के बीच समन्वय स्थापित कर ऐसा प्रयास अन्य क्षेत्रों में भी दोहराया जा सकता है ।